Publication: Absolute India **Date: Monday, 9th February, 2015**

Edition: Mumbai

छोटे बच्चों के बड़े आइडियाज

इंडियाफर्स्ट लाइफ इंसुरेंस का हैप्पी इंडिया अभियान

कार्यालय संवाददाता • मुंबई

वे बाल मजदूरों के लिए शिक्षा सुनिश्चित करना चाहते हैं, जोकि स्कूल जाने से वंचित हैं। वे स्कूलों में लड़के-लड़कियों के लिए टॉयलेट ब्लॉक्स बनाने के इच्छुक हैं और झुग्गी-बस्तियों में सफाई को बढ़ावा देने तथा मॉल्स एवं स्थानीय बाजारों में पर्यावरण हितैषी शॉपिंग बैग्स लाने के लिए तत्पर हैं। और, उन्होंने गड्ढे रहित सड़कों को बनाने और सेंसर आधारित डस्टबिन उपलब्ध कराने के लिए नगर निकायों को पाठ भी सिखाये हैं।

ये सभी देश के स्कूली बच्चे हैं, जो देश को हैप्पी इंडिया बनाना चाहते हैं। वे भविष्य के चेंजमेकर्स हैं और उसी अनुरूप बदलाव चाहते हैं जिसे वे देखने के इच्छुक हैं! इंडियाफर्स्ट के हैप्पी इंडिया अभियान के लिए

▶ प्रतियोगिता में देश के 304 स्कूलों के छात्रों ने लिया भाग

304 स्कूलों के 11 से 16 वर्ष की आयु के 15 हजार से अधिक युवा छात्रों ने उत्साहपूर्वक अपने आइडियाज भेजे। निर्णायक मंडल ने 25 फाइनल आइडियाज का चयन किया।

कंपनी द्वारा प्रत्येक को 50,000 रुपये का अनुदान दिया जायेगा और उद्योग के कुछ दिग्गज उन्हें परामर्श प्रदान करेंगे। भोपाल के स्कूल की हैप्पी इंडिया टीम स्वच्छ भारत मुहिम चलाने के लिए एक मौलिक आइडिया लेकर आई। टॉयलेट एवं वाश बेसिन की सफाई बरकरार रखने हेतु विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिए टीम द्वारा आठ स्कूलों में बाल पंचायत आयोजित की जाती है। जयपुर स्कूल की टीम ने लोगों को अपनी आदतों को बदलने तथा प्रयुक्त कपड़ों से बने शॉपिंग बैग्स का इस्तेमाल करने की तत्परता दिखाई। मुंबई स्कूल ने स्वस्थ भारत के निर्माण के लिए परियोजना पर जोर दिया। उन्होंने क्रॉस-सब्सिडाइजेशन मॉडल के साथ आम सब्जियों को उन कीमतों पर उपलब्ध कराने का अधिकार सुनिश्चित करना है जिसे वे वहन कर सकें।

इंडिया फर्स्ट लाइफ इंसुरेंस के मुख्य विपणन अधिकारी मोहित रोचलानी ने कहा कि हैप्पी इंडिया के माध्यम से हमारा प्रयास राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों में भविष्य की पीढ़ी को शामिल करना है। हमें उम्मीद है कि इंडियाफर्स्ट की छोटी सी पहले से अगली पीढ़ी के लिये एक बड़ा कदम उठाने में मदद मिलेगी।

A Joint Venture of
Bank of Baroda Legal & General Andhra Bank